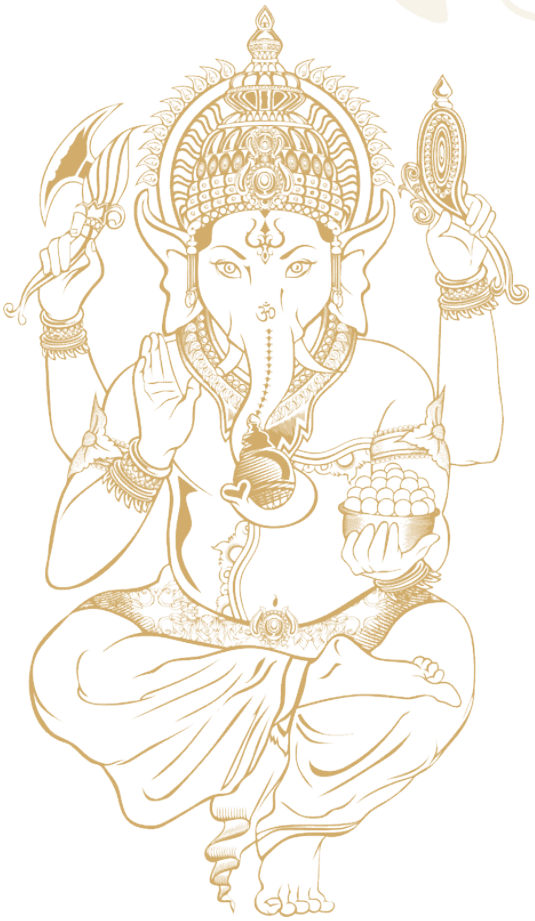

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119816303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/01/1995	जन्म तिथि	03/01/1997
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 32:20:43	जन्म समय(घटी)	27:51:43 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Ranchi
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:42	सूर्योदय	06:31:12
17:31:42	सूर्यास्त	17:15:18
23:47:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 25दि	14:12:48	सिंह	लग्न	मिथु	26:44:10	मंगल 0वर्ष 5मा 19दि
गुरु	17:26:05	मक	सूर्य	धनु	19:21:04	गुरु
27/10/2018	25:44:26	मक	चंद्र	तुला	05:46:21	24/06/2015
27/10/2034	03:32:15	सिंह व	मंगल	कन्या	06:14:18	24/06/2031
गुरु 14/12/2020	24:39:18	मक व	बुध व	धनु	15:54:22	गुरु 11/08/2017
शनि 27/06/2023	16:28:30	वृश्चि	गुरु	मक	01:56:08	शनि 23/02/2020
बुध 02/10/2025	01:28:05	धनु	शुक्र	वृश्चि	27:46:18	बुध 31/05/2022
केतु 08/09/2026	17:13:38	कुंभ	शनि	मीन	07:39:03	केतु 06/05/2023
शुक्र 09/05/2029	16:12:29	तुला व	राहु व	कन्या	08:36:17	शुक्र 04/01/2026
सूर्य 25/02/2030	16:12:29	मेष व	केतु व	मीन	08:36:17	सूर्य 24/10/2026
चन्द्र 27/06/2031	03:28:24	मक	हर्ष	मक	09:35:36	चन्द्र 23/02/2028
मंगल 02/06/2032	29:55:33	धनु	नेप	मक	03:06:20	मंगल 29/01/2029
राहु 27/10/2034	06:31:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:39:14	राहु 24/06/2031

लग्न-चलित

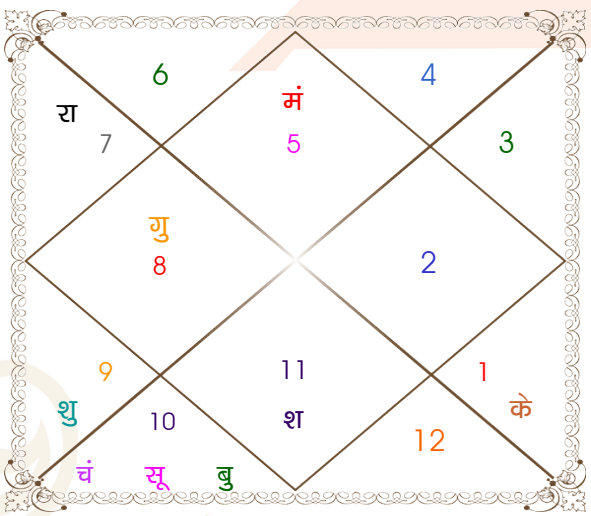

लग्न-चलित

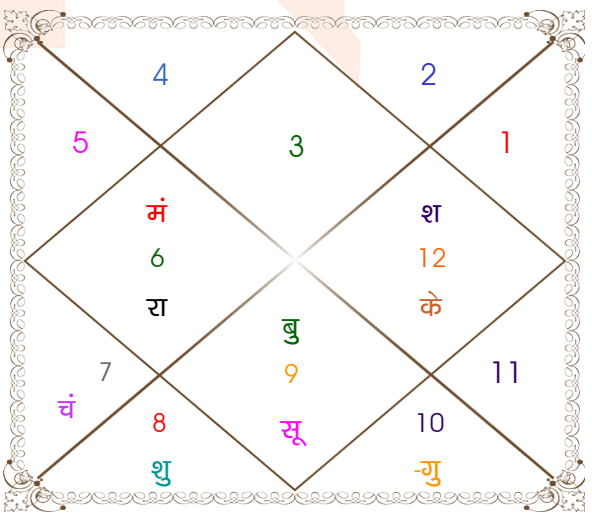

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।